भारतीय प्रतिभूतियों में 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक का FPI निवेश

स्रोत: बिज़नेस स्टैण्डर्ड

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (FPI) द्वारा भारतीय प्रतिभूतियों में लगभग **1.1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश किया गया है,** जो वैश्विक निवेशकों के लिये भारत के बढ़ते आकर्षण को दर्शाता है।

- यह मार्च 2020 में **कोविड-19** के निम्नतम स्तर 329 बिलियन अमेरिकी डॉलर से **तीन गुना वृद्धि को दर्शाता है। भारत का बाज़ार पूंजीकरण** भी चार गुना बढ़कर अब लगभग 5.6 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया है।
- भारतीय बाज़ारों ने **मज़बूत दीर्घावधि रिटर्न प्रदान किया है, जिसमें अमेरिकी डॉलर के संदर्भ में** सेंसेक्स के लिये 10-वर्ष का वार्षिक रिटर्न **8.5% रहा है**, जबकि **संयुक्त राज्य अमेरिका (US) के डाऊ जोन्स** (Dow Jones) सूचकांक के लिये यह **9.7%** रहा है।
- **वर्ष 1991 के भुगतान संतुलन संकट** के बाद, **वर्ष 1992 में भारत के FPI** (तब इन्हें **विदेशी संस्थागत निवेशक (FII) के रूप में जाना जाता था) में उदारता** से निवेश नियमों और एक सहायक नियामक ढाँचे में बढ़ावा मिला है।
  - FPI में वे **अनिवासी शामिल हैं,** जो शेयर, सरकारी बॉण्ड, कॉर्पोरेट बॉण्ड, परिवर्तनीय प्रतिभूतियों और बुनियादी ढाँचा प्रतिभूतियों जैसी भारतीय वित्तीय परिसंपत्तियों में निवेश करते हैं।
  - **FPI में FII, योग्य विदेशी निवेशक (QFIs)** और **उप-खाते** जैसे निवेश समूह शामिल हैं।
- भारत में FPI प्रवाह के प्राथमिक स्रोत **अमेरिका**, **सिंगापुर** और **लक्ज़मबर्ग हैं।**

और पढ़ें: भारत में विदेशी पोर्टफोलियो निवेश में परिवर्तन

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/fpis-investment-exceeds-usd-1-trillion-in-indian-securities